बी.ए. प्रथम सेमेस्टर BA Sem 1

संस्कृत साहित्य

होम एसाइनमेंट पूर्णांक 80

ईकाई 1

अ. स्वपन वास वदत्तम के रचनाकार का नाम लिखिए । (2)

ब. वासवदत्ता कौन थीं । (2)

स. इस श्लोक की व्याख्या करें । (5)

सुखमर्थो भवेत दातुम सुख प्राणा सुख तप:,

सुखमन्यद भवेत् सर्वम् दुख न्यासस्य रक्षणम्।

अथवा

खगा वासोपेताः सलिलमवगाढो मुनिजनः, प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति धूमो मुनिवनम् । परिभ्रष्टो दूराद्रविरपि च संक्षिप्तकिरणो, रथं व्यावर्त्यासौ प्रविगति शनैरस्तशिखरम् ॥

द. स्वपन वास वदत्तम की नायिका का चरित्र चित्रण कीजिए । (7)

अथवा

स्वपन वास वदत्तम का सार लिखिए ।

ईकाई 2

अ. राम शब्द का चतुर्थी विभक्ति एकवचन रूप लिखिए । (2)

ब. फल का द्वितीय विभक्ति सभी वचन रूप लिखिए । (2)

स. लता शब्द के सभी रूप लिखिए । (5)

अथवा

चंद्रमस शब्द के सभी रूप लिखिए ।

द. जगत शब्द के सभी रूप लिखिए । (7)

अथवा

असमद शब्द के सभी रूप लिखिए ।

ईकाई 3

अ. नम धातु का प्रथम पुरुष रूप लिखिए ।(2)

ब. द्रिस धातु का लड् लकार लिखिए ।(2)

स. भू धातु लट् लकार लिखिए ।(5)

अथवा

दिव धातु लोट् लकार लिखिए ।

द. गम धातु का लड् लकार ।(7)

अथवा

पठ धातु का विधिलिंग लकार ।

इकाई 4

अ. महेश्वर सूत्र किसे कहते हैं ।(2)

ब. वृद्धि संज्ञा किस सूत्र से होती है ।(2)

स. संज्ञा सूत्र किसे कहते है।कोई तीन संज्ञा सूत्र लिखिए।(5)

अथवा

अष्टाध्यायी के रचनाकार के बारे में जानकारी दीजिए।

द. प्रत्याहार सूत्र लिखिए । (7)

अथवा

प्रत्याहार कितने होते है वर्णन करें ।

ईकाई 5

अ. संधि किसे कहते है ।(2)

ब. गुण संधि का उदाहरण दीजिए ।(2)

स. संधि के प्रकार बताते हुए स्वर संधि के बारे में विस्तार से समझाइए ।(5)

अथवा

हल् संधि किसे कहते है तथा इसके प्रकारों का वर्णन करे ।

द. जशत्व संधि को उदाहरण सहित समझाइए ।(7)

अथवा

यण् संधि की परिभाषा देकर उदाहरण सहित समझाइए।

Govt. V.Y.T. PG. Autonomous College Durg CG

बी ए तृतीय सेमेस्टर 2023/24 BA Sem III

संस्कृत साहित्य

जीईसी/कोर कोर्स

विषय नाटक , व्याकरण तथा रचना।

होम असाइनमेंट पूर्णांक 80

इकाई 1

अ. नागानंद का क्या तात्पर्य है? (2)

ब. नागानंद के नायक का क्या नाम है? (2)

स. श्लोक का अनुवाद कीजिए । (5)

ध्यानाव्याजमुपेत्य विन्तयासि कामुन्मील्य क्षणं

पश्यानङ्ग शरातुरं जनमिमं त्राताऽपि नो रक्षसि ।

मिथ्याकारुणिकोऽसि निर्माणतरस्त्वतः कुतोऽन्यः पुमान्

सेयं मा रवधूभिरित्याभिहितो बौधो जिनः पातु वः ॥

अथवा

मधुरमिव वदन्ति स्वागतं भृङ्ग शब्दौ

नतिरमिल फलनमैः कुर्वतेऽमी शिरोभिः ।

मम ददत दवार्ध्यं पुष्यवृष्टीः किरन्तः कथम विथि सपर्य्यां शिक्षिताः शाखिनोऽपि ॥

द. निम्न श्लोक की व्याख्या करें। (7)

तिष्ठन् भाति पितुः पुरो भुवि तथा सिंहासने किं तथा? यत् संवाहयंतः सुखं तु चरणौ तातस्य किं राजके । किं भुक्ते भुवनत्रये धृतिरसौ भुक्तोज्झिते या गुरोः ? आयासः खलु राज्यमुज्झित गुरोस्तत्रास्ति कश्चिद्गुणः ॥

अथवा

द क्षिणं स्पन्दते चक्षुः फलाकाङ्क्षा न मे क्वचित् ।

न च मिथ्या मुनिवचः कथयिष्यति किं न्विदम् ॥

इकाई 2

अ. शंखचूड़ कौन था? (2)

ब. नागानंद के रचनाकार का नाम लिखें। (2)

स. नागानंद नाटक से प्राप्त होने वाली शिक्षा का उल्लेख करते हुए इसकी समीक्षा कीजिए । । (5)

अथवा

महाकवि हर्ष का विस्तृत परिचय दीजिए।

द. नागानंद के प्रथम अंक का सार लिखिए। (7)

अथवा

मलयवती का चरित्र चित्रण कीजिए।

इकाई 3

अ. वाच्य कितने होते हैं? (2)

ब. भाववाच्य में कर्ता में कौन सी विभक्ति होती है? (2)

स. कर्तृवाच्य की परिभाषा देते हुए उदाहरण देकर समझाईये। (5)

अथवा

वाच्य परिवर्तन कीजिए ।

1. सः गृहम गच्छति

2. त्वं शयनं करोषि ।

3. बालकेन ग्रन्थः पठ्यते।

4. मया गृहं गम्यते।

5. अस्माभिः कार्यं क्रियते ।

द. भाववाच्य को विस्तार से समझाइए। (7)

अथवा

कर्मवाच्य की परिभाषा देते हुए उदाहरण सहित समझाएं।

इकाई 4

अ. समास की क्या परिभाषा है ? (2)

ब. समास के कितने प्रकार हैं? (2)

स. तत्पुरूष समास को उदाहरण देकर समझाइए। (5)

अथवा

अव्ययीभाव समास की परिभाषा देते हुए उदाहरण सहित समझाएं।

द. बहुव्रीहि को उदाहरण देकर विस्तार से समझाइए। (7)

अथवा

द्विगु समास की परिभाषा देते हुए उदाहरण दीजिए।